

## अलबेलो श्रृंगार | by Padma Sahu

खुली हवा में महक श्याम की भक्तों को है लाइ  
कीर्तन की है रात सभी के कष्ट मिटाने आई  
सारे जग में होते चर्चे श्याम तेरी महफ़िल के  
दरबार सजा के श्याम की हमने भी है ज्योत जलाई

अलबेलो श्रृंगार करके श्याम दमके  
सबको पालनहार बैठयो बन ठन के

महके रे श्रृंगार तन पे फूल बन के  
सावरै को पाकर सारे फूल चमके  
खाटू को सरकार बैठयो बन ठन के  
सबको पालनहार बैठयो बन ठन के

कानन कुण्डल हार गले में खूब चमके  
मोती चमके रे नगीना चमके  
कलयुग को अवतार बैठयो बन ठन के  
सबको पालनहार बैठयो बन ठन के

हारे के सहारे बाबा जन जन के  
खाटू से खुलते हैं रास्ते जीवन के  
भक्तां को लखदातर बैठयो बन ठन के  
सबको पालनहार बैठयो बन ठन के

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%b2%e0%a4%ac%e0%a5%87%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%83%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-padma-sahu/>